Generated by Foxit PDF Creator © Foxit Software
http://www.foxitsoftware.com For evaluation only.

6 बायपास के साथ बदला हार्ट का वॉल्व

doctor's वर्ल्ड

हार्ट पेशेंट्स को इलाज से पहले भी सबसे ज्यादा जरूरत मोरल सपोर्ट की होती है। ऐसे में उनके फैमिली मेंबर्स को इस सपोर्ट के लिए तैयार करते हैं। हमारी टीम भी ऐसा माहौल क्रिएट करती है जिससे पेशेंट की दिक्कत अपने आप ही कम होने लगे।

ARIHANT INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES
MBBS, BAMS, BHMS, BUMS, BPT, B.Pharma, B.Sc (Nursing), BBA (HA) Graduates कृपया ध्यान दें
MBA (HA) Hospital Administration
में सीधे प्रवेश (DTE Nominee की उपस्थिति में)
COLLEGE LEVEL COUNSELLING (CLC) on Saturday, 15th Sep 2012 at 10:00 am
For details visit www.mponline.gov.in - Institute Code - MBA (H.A.) - 243
453, Khandwa Road, Opp.Radha Soami Satsang, Indore
Email : arihantcollege@gmail.com, Web : www.arihantcollege.edu.in
Ph: 9302333650, 9302333655, 9827622441, 0731-3200139

just रिपोर्टर
justreporter.indore@patrika.com

1983 में जब मेरे दादा को अटैक आया तो समझ में आया कि दिल की कीमत क्या होती है। उस दौरान मेरी उम्र करीब 7 वर्ष थी। एमवायएच हॉस्पिटल में दादा के इलाज के दौरान पहली बार मेरी मुलाकात किसी कार्डियोलॉजिस्ट से हुई। इलाज के बाद दादा घर लौटे तभी मैंने ठान लिया था कि मैं भी कॉर्डियोलॉजिस्ट ही बनूंगा। इस सपने को पूरा करने के लिए मैं दिन-रात जुटा रहा। अब मेरी उम्र से कम के पेशेंट भी दादा की तरह ही प्यारे लगते है। यही वजह है कि मैं सर्जरी करते हुए नहीं थकता।

11 घंटे चली सर्जरी

1996 में जब पीएमटी टॉप की तो लगा मैं मेरी मंजिल के बहुत करीब हूं। डॉक्टर बनने के बाद मैंने हर सर्जरी दिल लगाकर की, लेकिन सबसे यादगार सर्जरी 79 वर्षीय पेशेंट की थी। एक ही ओपन सर्जरी में उनके 6 बायपास करने के साथ हार्ट का वॉल्व बदला और पेसमेकर भी लगाया। पेशेंट की उम्र ज्यादा होने के बावजूद कोई रिस्क नहीं ली जा सकती थी। वह सर्जरी करीब 11 घंटे चली। इस दौरान बाकी डॉक्टर्स को भी समझ नहीं आ रहा था कि आखिर मुझमें इतनी हिम्मत कहां से आई। मैं खुद भी यह बात समझ नहीं पाया।

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सिद्धांत जैन ने पीएमटी टॉप कर एमजीएम मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया। एमबीबीएस के दौरान उन्होंने 16 गोल्ड मैडल हासिल किए। इसके बाद पीजी (एमडी) और डीएम कॉर्डियोलॉजी के लिए गोल्ड मैडल हासिल किए। ओवरऑल परफॉर्मेंस के आधार पर उन्हें एमजीएम ब्लू अवार्ड से नवाजा गया। एमवायएच से बेस्ट पीजी स्टूडेंट का अवॉर्ड भी हासिल किया।

यंगस्टर्स और बच्चों को भी हार्ट डिसीज

मौजूदा लाइफस्टाइल ने बच्चों और युवाओं को भी हार्ट डिसीज हो रही है। मासूम बच्चों को दिल की बीमारी से पीड़ित देखकर मुझे बहुत दुःख होता है। समय रहते ही इसे कंट्रोल करना जरूरी है। बचपन से संयमित खान-पान और नियमित रूप से एक्सरसाइज की आदत रहे, तो हार्ट सहित कई डिसीज से बचा जा सकता है।

फिर खाने लगे गोल-गप्पे

6 महीने पहले बिजनेसमैन जवाहरलाल पीपाड़ा (75 वर्ष) को कोठारी मार्केट में गोल गप्पे खाते हुए अटैक आ गया। डॉ.जैन ने स्थिति को देखते हुए एंजियोप्लास्टी का निर्णय लिया। परिजन चिंतित थे कि एंजियोप्लास्टी के बाद रुटीन लाइफ कैसे मैनेज होगी। पेशेंट न सिर्फ स्वस्थ है, बल्कि दोबारा से गोल-गप्पे खाने लगे हैं।

यूएसएस से आता है कॉल

दो साल पहले एनआरआई दंपत्ति (कमलेश-अनुराधा शर्मा) यूएसए से इंडिया आए थे। रात 11 बजे कमलेश के पिता (राम शर्मा) को सीवियर अटैक आया। दो साल पहले अनुराधा के पिता भी यूएसए में ऐसे ही अटैक से अपनी जान गंवा बैठे थे। पिता के अटैक की जानकारी मिलते ही वे दोनों भी हॉस्पिटल में आकर अपने होश खो बैठे। वे किसी की बात सुनने और समझने की स्थिति में ही नहीं थे। इलाज से पहले मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि आपके पापा को कुछ नहीं होने दूंगा। मेरे बात सच होने की दुआ तो कर रहे थे, लेकिन उनके मन में अनुराधा के पिता वाली इमेज ही बैठ गई थी। 24 घंटे आईसीयू में रखने के बाद ही मिस्टर राम की सेहत में सुधार होने लगा। कमलेश और अनुराधा एक महीने बाद यूएसए लौट गए, लेकिन अकसर फोन तक धन्यवाद कहते रहते हैं।